राज्यपाल सचिवालय
राजभवन, जयपुर

सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' कार्यक्रम आयोजित

सूर्य सप्तमी पर 108 साधकों ने किया 'सूर्य नमस्कार'

भारतीय संस्कृति से जुड़ी महान योग परम्परा 'सूर्य नमस्कार' स्वास्थ्य के लिए वरदान – राज्यपाल

जयपुर, 4 फरवरी। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा कि 'सूर्य नमस्कार' भारतीय संस्कृति से जुड़ी महान योग परम्परा है। यह स्वास्थ्य के लिए वरदान है। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार मन व शरीर दोनों को तंदुरुस्त रखता है।

श्री बागडे मंगलवार को क्रीड़ा भारती संगठन द्वारा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान में सूर्य सप्तमी पर आयोजित सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम में 108 साधकों ने एक साथ 'सूर्य नमस्कार' से जुड़ी योग क्रियाएं की।

राज्यपाल ने कहा कि योग की भारतीय परंपरा 'सूर्य नमस्कार' से ही प्रारंभ होती है। यह योग के आगे के आसनों के लिए हमें तैयार करता है। उन्होंने कहा कि 'सूर्य नमस्कार' मनुष्य के भीतर की ऊर्जा का संधान कर तन और मन को स्वस्थ करता है।

राज्यपाल ने प्रतिदिन हर व्यक्ति को स्वास्थ्य के प्रति ध्यान देते समय देने और 'सूर्य नमस्कार' करने का आह्वान किया। उन्होंने क्रीड़ा भारती को देश की महत्वपूर्ण संगठन बताते हुए कहा कि पारंपरिक खेलों के साथ भारतीय संस्कृति से जुड़ी इसकी गतिविधियां अनुकरणीय है।

इस अवसर पर राज्यपाल श्री बागडे ने क्रीड़ा भारती की स्मारिका 'खेल सृष्टि' का भी लोकार्पण किया। उन्होंने इस दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तीन बच्चों को अपनी ओर से नकद इनाम देकर भी सम्मानित किया।

———————

जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्

खेल !
चरित्र !!
''खेल से निर्माण चरित्र का, चरित्र से निर्माण राष्ट्र का''
क्रीड़ा भारती
सूर्य सप्तमी
4 फरवरी, 2025

खेल से निर्माण चरित्र का, चरित्र से निर्माण राष्ट्र का''
राष्ट्र निर्माण !!!
4 फरवरी, 2025
माघ शुक्ल सप्तमी २०८१
जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्
केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
जयपुरपरिसरः
जयपुरम्